Vol 6, Issue 5, 2023 **Impact Factor: 5.099** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2023.6.5.6312

IJAMSR

International Journal of
Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

" स्वच्छ भारत मिशन – पेयजल, शौचालय और स्वच्छता पर एक समाजशास्त्रीय अध्ययन " (आगरा शहर के विशेष संदर्भ में)

1. नीलम सिंह
2. डा0 मधु त्यागी
1. (शोधार्थिनी) बी0 एस0 ए0 कॉलेज मथुरा
   (डॉ0 भीमराव आ0 वि0 वि0 आगरा)
2. प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग बी0 एस0 ए0 कॉलेज मथुरा
   (सम्बध्द - डॉ0 भीमराव आ0 वि0 वि0 आगरा)

सारांश : शोध पत्र में स्वच्छ भारत मिशन के आयामों के बारे में जानने का प्रयत्न किया गया है I इन आयामों के माध्यम से ही साफ-सफाई के प्रति जागरूकता का मूल्यांकन किया जा रहा है I प्रस्तुत शोध पत्र में शोधकर्ता ने साक्षात्कार अनुसूची के द्वारा चयनित 350 लोगों से प्राप्त सूचना/आकडो का प्रयोग करते हुये स्वच्छ भारत अभियान के क्रियान्वयन का अध्ययन किया गया है I

मूल शब्द : स्वच्छता, आयाम, आवश्यकता, पेयजल, शौचालय I

प्रस्तावना : स्वच्छता एक क्रिया है जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपडे, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है I हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये साफ-सफाई बेहद जरूरी है I अपने आसपास के क्षेत्रों और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरूरी है I हमें साफ-सफाई को अपनी आदत में लाना चाहिये और कूडे को हमेशा कूडेदान में ही डालना चाहिये क्योंकि गंदगी वह जड है जो कई बीमारियों को जन्म देती है I जो रोज नहीं नहाते, गंदे कपडे पहनते हो, अपने घर और आसपास के वातावरण को गंदा रखते है, ऐसे लोग हमेशा बीमार रहते है I गंदगी से आसपास के क्षेत्रों में कई तरह के कीटाणु, बैक्टीरिया वाइरस तथा फंगस आदि पैदा होते है जो बीमारियों को जन्म देते है I जिन लोगो कि गंदी आदते होती है वो भी खतरनाक और जानलेवा बीमारियों को फैलाते है I

I J A M S R
**International Journal of
Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281**

हमारे स्वस्थ जीवन शैली और जीवन के स्तर को बनाए रखने के लिये स्वच्छता बहुत जरूरी है I ये व्यक्ति को प्रसिद्ध बनाने में अहम रोल निभाती है I पुरे भारत में आम जन के बीच स्वच्छता को प्रचारित व प्रसारित करने के लिये भारत की सरकार द्वारा कई सारे कार्यक्रम और सामाजिक कानून बनाए गये और लागू किये गये है I

भारत सरकार ने स्वच्छता की आवश्यकता को समझते हुए स्वच्छ भारत नामक अभियान को भी चलाया जिसकी शुरुआत 02 अक्टूबर 2014 को गांधी जयंती के मौके पर की गई पर कोई भी अभियान केवल सरकार मात्र नहीं चला सकती आवश्यकता है वहाँ के नागरिकों में जागरूकता फैलाने की I

इस अभियान के तहत सरकार ने शहर एंव ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता को बढावा दिया है और पूरे भारत को खुले में शौच मुक्त करने का प्रण लिया है I अब तक 98 प्रतिशत भारत को खुले में शौचमुक्त बनाया जा चुका है I इसी प्रकार कई अन्य अभियान है जैसे निर्मल भारत, बाल स्वच्छता अभियान आदि I सबका उद्देश्य भारत में स्वच्छता को बढावा देना है I

व्यर्थ के बीमारियों को बढाने से अच्छा है कि हम स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करे I ऐसा करने से ही देश के लाखों रुपये जो बीमारियों पर खर्च होते हैं बचा सकते है I व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ वैचारिक स्वच्छता हमें एक अच्छा इंसान बनाता है I जो सदैव अपने विकास के साथ दूसरो का भी भला सोचता है और जब देश के सभी लोग ऐसी भावना के साथ जीने लगेंगे, तो वो दिन दूर नहीं जब देश स्वच्छता के साथ-साथ प्रगति के पथ पर भी तेजी से आगे बढने लगेगा I

स्वच्छता के आयाम :

1. **व्यक्तिगत स्वच्छता :** व्यक्तिगत स्वच्छता प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है I यहाँ शरीर की स्वच्छता से तात्पर्य हमारे शरीर की सफाई और समुचित देखभाल से है I जब हम अपने शरीर की सफाई की बात करते है तो उसमें शरीर के सभी अगों की सफाई और साफ-सुथरे कपडे भी शामिल होते है I शरीर की स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का स्वरूप स्वंय के शरीर की देखभाल करना तथा उसे साफ रखना बच्चे के लिए एक मजेदार खेल या क्रिया होनी चाहिय न कि कोई काम I

2. **पर्यावरणीय स्वच्छता :** स्वच्छता और पर्यावरण का प्रत्यक्ष सम्बंध है I स्वच्छता की स्थिति में पर्यावरणीय स्थिति भी स्वच्छ व स्वस्थ रहेगी I आम पर्यावरण की समस्या एक वैश्विक समस्या है I अस्वच्छता के कारण पर्यावरण पर जोखिम पैदा हुआ है I

   स्वच्छता व पर्यावरण सामाजिक आयाम जो समाज को प्रभावित करते है I जिसका अभ्यासक्रम इस समाजशास्त्र का विषय वस्तु है I एक स्वास्थ्य सुविधा की संगठित सफाई, कीटाणुशोधन और निगरानी प्रक्रियाओं को सामूहिक रूप से पर्यावरणीय सफाई के रूप में जाना जाता है I हमारे आसपास का वातावरण विभिन्न प्रदूषकों और सूक्ष्मजीवों से प्रदूषित है और इसे साफ करने की आवश्यकता है ताकि

हवा में सांस ली जा सके इसलिये, पर्यावरण की सफाई आवश्यक है I

3. **घर एंव भोजन की स्वच्छता :** सच बात तो यह है कि हमारे यहाँ भोजन की साफ सफाई एंव शुद्धता पर पर्याप्त ध्यान ही नहीं दिया जाता, इस कारण अनेक संक्रामक रोग होते है I घर में भले ही भोजन कुछ साफ-सफाई से बने, लेकिन प्राय: होटलों, ढाबों पर भोजन अस्वच्छ तरीके से तैयार किया जाता है I कई बार तो बासी भोजन गरम करके के परोस दिया जाता है I परोसने वाले भी साफ-सुथरे नहीं रहते I अत: हमें भोजन की स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिये, ताकि रोगों से बचा जा सके I यदि भोजन जीवाणुयुक्त है तो बहुत सी खतरनाक और जानलेवा बीमारियां जैसे हैजा, पेचिस, टॉयफाइड, यकृत शोथ इत्यादि हो सकती है I कहा गया है सफाई ही दवाई है I हमारे पेट के भीतर जो खाध पादर्थ जाऐं वे साफ-सुथरे और स्वास्थयवर्धक हो, उसके लिये रसोईघरों और भोजनालयों की उचित सफाई और देखभाल जरूरी है I

4. **पेयजल का सुरक्षित रख रखाव :** देश के 28 राज्यों के 117 जिलों में स्वजल के लिये लक्ष्य जनसंख्या प्रति वर्ष लगभग 5 लाख है I इस कार्यक्रम ने अधिकांश वंचित आकांक्षी जिलों एकीकृत जल सुरक्षा योजना के कार्यन्वयन, व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक भागीदारी को प्राथमिकता देने और जल गुणवत्ता निगरानी के लिए भी मदद की है । इससे 1 करोड 86 लाख लोगों को सुरक्षित पीने का पानी सुलभ करवाने में योगदान मिला है ।

साहित्य समीक्षा :

1. **चामुंडा देवी मंदिर के गेट से हटा डलाबघर, बना सेल्फ़ी प्वांइट :** आगरा राजा की मण्डी रेलवे स्टेशन के बाहर चामुण्डा देवी मंदिर के गेट पर जहाँ कचरे के ढेर थे, शनिवार को वह डलाबघर सेल्फ़ी प्वांइट में बदल गया I इस जगह की तस्वीर बदली नगर निगम के कर्मचारियों ने जिन्होनें, लगातार अभियान चलाकर चामुंडा देवी मंदिर को डलाबघर मुक्त कर सेल्फी प्वाइंट में बदल दिया I

2. **स्वच्छता में शहर को न0 1 बनाना है :** नगर निगम चुनाव में वर्तमान मेयर प्रत्याशी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है I उन्होने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड दिए है I उनका कहना है कि वह सर्वप्रथम शहर को स्वच्छता में न0 1 बनाना है मैं चाहती हूँ कि लोग इंदौर को भूल जाये सफाई के मामले में आगरा देश का सबसे सुंदर और स्वच्छ शहर बने I आगरा शहर में गंगाजल आ चुका है इसे घर घर पहुचाया जा रहा है I जो इलाके छूट गये है उन्हे गंगाजल योजना में शामिल किया जायेगा I हर घर तक मीठा पानी उपलब्ध होगा I उन्होने कहा कि सरकार की जो योजनाएं चल रहीं है उन्हें आगे बढाया जायेगा I शहर की जरूरत के हिसाब से नई योजनाए भी बनाई जायेगी I

Vol 6, Issue 5, 2023 **Impact Factor: 5.099** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2023.6.5.6312

I J A M S R

International Journal of
Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

उद्देश्य : स्वच्छता के विभिन्न आयामो का अध्ययन करना I

शोध विधि: प्रस्तुत शोध पत्र में स्वच्छ भारत मिशन का अध्ययन करने के लिये शोधकर्ता ने प्राथमिक आकडों के द्वारा 350 उत्तरदाताओं से आकडे एकत्रित करने के लिये साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया है I शोधकर्ता ने द्वितियक संमको का भी प्रयोग किया है जिसके अन्तर्गत शोधपत्रिकाओं, समाचार पत्र, डायरी व इंटरनेट को शामिल किया गया है I

सारणी संख्या 1

क्या आप स्वच्छता के बारे में जानकारी रखते है ?

विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	223	63.7%
नहीं	127	36.3%
योग	350	100%

प्रस्तुत अध्ययन में 63.7% उत्तरदाताओं का मानना है कि वे स्वच्छता के बारे में जानकारी रखते है जबकि 36.3% उत्तरदाता स्वच्छता के बारे में जानकारी नहीं रखते है I जैसा की सारणी के द्वारा दर्शाया गया है I

सारणी संख्या 2

क्या आप अपने हिस्से का कार्य आगरा शहर को स्वच्छ रखने में करते है ?

विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	302	86.3%
नहीं	48	13.7%
योग	350	100%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है उत्तरदाता का मानना है कि वे अपने हिस्से का कार्य आगरा शहर को स्वच्छ रखने में करते है तो हाँ का प्रतिशत 86.3% है और जो उत्तरदाता अपना योगदान नहीं करते है उनका प्रतिशत 13.7% है जैसा की तालिका से स्पष्ट है ।

IJAMSR
International Journal of
Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

सारणी संख्या 3

क्या स्वच्छ भारत अभियान से अस्वच्छता की समस्या का निराकरण होता है ?

विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	297	84.9%
नहीं	53	15.1%
योग	350	100%

स्वच्छ भारत अभियान से अस्वच्छता की समस्या का निराकरण होता है तो हाँ में 84.9% उत्तरदाता ने सकारात्मक उत्तर दिया है जबकि नहीं के लिए 15.1% ने नकारात्मक उत्तर दिया है । जैसा की सारणी संख्या 3 से स्पष्ट है ।

सारणी संख्या 4

क्या आपके घर के आस-पास का वातावरण साफ व स्वच्छ है ?

विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ	297	84.9%
नहीं	53	15.1%
योग	350	100%

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं ने बताया है कि उनके घर के आस-पास का वातावरण साफ व स्वच्छ है I इसमें हाँ में 84.9% उत्तरदाता ने सकारात्मक उत्तर दिया है जबकि नहीं के लिए 15.1% ने नकारात्मक उत्तर दिया है । जैसा की सारणी संख्या 4 से स्पष्ट है ।

Vol 6, Issue 5, 2023 **Impact Factor: 5.099** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2023.6.5.6312

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

सारणी संख्या 5

क्या आप वातावरण को साफ व स्वच्छ रखने के लिये पेड पौधे लगाते है ?

विकल्प	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
हाँ	248	70.9%
नहीं	102	29.1%
योग	350	100%

उत्तरदाताओं ने बताया कि वे वातावरण को साफ व स्वच्छ रखने के लिये पेड पौधे लगाते है तो हाँ में 70.9% उत्तरदाता ने सकारात्मक उत्तर दिया है जबकि नहीं के लिए 29.1% ने नकारात्मक उत्तर दिया है । जैसा की जैसा की तालिका से स्पष्ट है ।

सारणी संख्या 6

क्या आपके यहाँ समय-समय पर कीटनाशक दवाओं का छिडकाव होता है ?

विकल्प	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
हाँ	294	84%
नहीं	56	16%
योग	350	100%

प्रस्तुत आध्ययन में उत्तरदाताओं ने बताया है कि समय-समय पर कीटनाशक दवाओं का छिडकाव होता है तो हाँ में 84% उत्तरदाता ने सकारात्मक उत्तर दिया है जबकि नहीं के लिए 16% ने नकारात्मक उत्तर दिया है । जैसा की तालिका से स्पष्ट है ।

Vol 6, Issue 5, 2023 **Impact Factor: 5.099** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2023.6.5.6312

IJAMSR

International Journal of
Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

सारणी संख्या 7

क्या आपके यहाँ कूडे को फैंकने के लिए कूडेदान की व्यवस्था है ?

विकल्प	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
हाँ	295	84.3%
नहीं	55	15.7%
योग	350	100%

कूडे को फैंकने के लिए कूडेदान की व्यवस्था के संदर्भ में उत्तरदाताओं ने हाँ में 84.3% सकारात्मक उत्तर दिया जबकि नहीं में 15.7% ने नकारात्मक उत्तर दिया है I जैसा की तालिका से स्पष्ट है ।

सारणी संख्या 8

क्या आपके यहाँ नाले व नालियों की साफ-सफाई समय-समय पर होती है ?

विकल्प	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
हाँ	291	83.1%
नहीं	59	16.9%
योग	350	100%

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं ने बताया है कि नाले व नालियों की साफ-सफाई समय-समय पर होती है तो हाँ में 83.1% उत्तरदाता ने सकारात्मक उत्तर दिया है जबकि नहीं के लिए 16.9% ने नकारात्मक उत्तर दिया है । जैसा की सारणी से स्पष्ट है ।

सारणी संख्या 9

पर्यावरण को साफ व स्वच्छ रखने के लिए सामाजिक स्वच्छता कैसी है ?

विकल्प	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
सोलर एनर्जी	23	6.6%
विद्युत चलित का उपयोग	0	0.0%
एल0 पी0 जी0 गैस	295	84.3%
अन्य	32	9.1%
योग	350	100%

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं ने बताया कि पर्यावरण को साफ व स्वच्छ रखने के लिए सामाजिक स्वच्छता में सोलर एनर्जी का प्रयोग 6.6%, विद्युत चलित का उपयोग 0.0%, एल0 पी0 जी0 गैस 84.3% व अन्य 9.1% उत्तरदाता उपयोग में लाते है I जैसा की सारणी से स्पष्ट है ।

सारणी संख्या 10

क्या आपके और कचरा प्रबंधन कर्मियों के आपसी सम्बंध सहयोगात्मक है ?

विकल्प	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
हाँ	289	82.6%
नहीं	61	17.4%
योग	350	100%

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं ने बताया कि कचरा प्रबंधन कर्मियों के आपसी सम्बंध सहयोगात्मक है तो हाँ में 82.6% उत्तरदाता ने सकारात्मक उत्तर दिया है जबकि नहीं के लिए 17.4% ने नकारात्मक उत्तर दिया है । जैसा की सारणी से स्पष्ट है ।

IJAMSR

International Journal of
Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

निष्कर्ष : स्वच्छता का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि उत्तरदाता साफ-सफाई को लेकर जागरूक हो रहे है I स्वच्छता को लेकर हमारे भारत में वर्तमान प्रधानमंत्री जी भी मोबाइल फोन के द्वारा, समाचार पत्र के द्वारा लोगो को काफी जागरूक भी कर रहे है I वर्तमान प्रधानमंत्री जी का यह प्रयास है कि शौचालय व गंदगी को पूरी तरह से खत्म किया जाए और इंदौर को छोडकर हमारे गांव व शहर के बारे में चर्चा करे I सरकार भी पूर्ण प्रयास कर रही है I

स्वच्छता को लेकर पहले की अपेक्षा उत्तरदाता काफी जानकारी रखते है क्योंकि लोगो के पास पहले मोबाइल फोन नहीं थे लेकिन आज अधिकतर लोगो के पास मोबाइल फोन है I इसके द्वारा भी लोगो मे जागरूकता देखने को मिलती है I क्योंकि लोगों में काफी बदलाव आया है लोगों के रहन-सहन के स्तर में बहुत ज्यादा बदलाव देखने को मिलता है I आज के समय में सभी लोग अच्छे से रहना पसंद करते है I स्वच्छता के बारे में जानकारी रखने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत हाँ में 63.7% है जबकि नहीं में 36.3% है I

स्वच्छ भारत मिशन की सफलता परोक्ष रूप से भारत में निवेशकों को बढाने, जी0 डी0 पी0 विकास दर बढाने, दुनिया भर से पर्यटको को ध्यान खीचने, स्वास्थय लागत को कम करने, घातक बीमारियों को कम करने और भी कई चीजों में सहायक होंगी I

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

1. https://www.hindikiduniya.com
2. https://m.facebook.com>posts
3. https:// hivikaspedia.in>education
4. https:// hindi.indiawaterportal.org 6 nov 2019
5. https:// testbook.com>29 july 2022
6. https:// mybapuji.com
7. https://www.unicef.org>India
8. अमर उजाला my city रविवार 22/01/2023 page No. 05
9. अमर उजाला my city रविवार 14/05/2023 page No. 01
10. https://www.drishtiias.com